

---

Devikrita Ishvara Stuti

—  
देवीकृता ईश्वरस्तुतिः  
—

Document Information



---

Text title : Devikrita Ishvara Stuti

File name : IshvarastutiHdevIkRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhavAkhyah dviIyAMshaH | adhyAyaH 21 | 37-43||

Latest update : September 16, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



देवीकृता ईश्वरस्तुतिः



पुरहर भगवन्कुरु करुणां (करुणां मयि) स्मरहर शङ्कर प्रभो ।  
गरधर गुरुभरजगदुद्धारक मुरहरपूजितपाद ॥ ३७ ॥

गजहर यमहर भग मखहर (भगरदहर) हरिशर हर हरपाहि ।  
अगपतिविलसितलिङ्गकुलान्तरभरितानेदकमोद ॥ ३८ ॥

परिफुल्लाम्बुजबिल्वालङ्कृत शशिधामोद्यतमौले ।  
परिपाहीश्वर शङ्कर सुन्दर भक्तजनप्रिय शम्भो ॥ ३९ ॥

उद्यद्धिमकर(उद्यद्दिनकर)समसुमजाधिकमारवराङ्गकभूष ।  
भसितालङ्कृतनिटिलालङ्कृतपुण्ड्रोत्तमपरिभूष ॥ ४० ॥

चक्षुश्श्रवणमणिगणकन्धर सोमार्यमानलाक्ष ।  
तुरगायितनिगमाव्यय हर श्रुतिमौल्युद्य(द्ध)तकीर्ते ॥ ४१ ॥

परिपाहीश्वर देव दयाकर भगवन्नव मां दीनाम् ।  
पुरहर मुरहरपूजितपाद शङ्करहरहरशम्भो ॥ ४२ ॥

गङ्गाधर हर गरकन्धर हर काकोदरवरहार ।  
परिपाह्यद्य निशाकरलोचन दयया सुतरां गिरिवास ॥ ४३ ॥


॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते भवारव्ये देवीकृता ईश्वरस्तुतिः ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । भवारव्यः द्वितीयांशः । अध्यायः २१ । ३७-४३ ॥

- .. shrIshivarahasyam . bhavAkhyah dviTyAMshaH . adhyAyaH 21 . 37-43..

Proofread by Ruma Dewan

pdf was typeset on September 16, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

